

उपचार प्रोटोकॉल के भाग के रूप में शामिल किए जाने वाले खाद्य पदार्थ:

नमक: प्रति भोजन 1 ग्राम नमक की थैली का उपयोग करें।

प्रीबायोटिक्स (खाली पेट): लहसुन के 2 से 3 छोटे टुकड़े (भारतीय आकार), 1 इंच कटा हुआ अदरक और 1 चम्मच भीगे हुए या अंकुरित मेथी के बीज का सेवन करें।

केले के तने का रस: 50 से 60 मिलीलीटर दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। यह धमनियों और केशिकाओं में कैल्शियमयुक्त संरचनाओं को घोलने में मदद करता है। पोटेशियम के स्तर की निगरानी करें।

निक्षालित कच्ची सब्जियों का रस: दिन में दो बार (सुबह और शाम) 50 से 60 मिलीलीटर का सेवन करें। कोलेस्ट्रॉल नियमन, रक्त पतला करने और पाचन में सहायता करता है। उचित लीचिंग दिशानिर्देशों का पालन करें और पोटेशियम के स्तर की निगरानी करें।

लीच्छ वेजिटेबल सलाद: लीचिंग के बाद सीमित मात्रा में सेवन करें और पोटेशियम के स्तर की निगरानी करें।

फल: किसी भी फल या जामुन का सेवन सीमित मात्रा में करें (उच्च पोटेशियम के कारण केले को छोड़कर)। पोटेशियम के स्तर की निगरानी करें।

फ्लैक्स ड्रिंक (ऐडेमैक्स पाउडर के साथ): दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड और लिगनेन से भरपूर, यह सेलुलर चयापचय, विषहरण और श्वसन स्वास्थ्य का समर्थन करता है। सीकेडी के लिए धैर्य को पानी से पतला न करें।

पकी हुई पत्तेदार सब्जियाँ या अन्य सब्जियाँ:

सब्जियों या पत्तेदार सब्जियों को आलू और दालों के साथ पानी में उबालें। उबालने के बाद निकले पानी को फेंक दें।

स्वाद के लिए) चम्मच खाद्य तेल या वसा का उपयोग करके टमाटर और मसालों के साथ अलग से मसाला तैयार करें।

उबली हुई सब्जियों या पत्तेदार सब्जियों को मसाले के साथ मिला लें।

रोगी के लिए, प्रति भोजन 1 ग्राम नमक का उपयोग करके, आवश्यक नमक रहित भाग अलग रखें।
परिवार के सदस्य अपने हिस्से में अलग से नमक मिला सकते हैं।

दालें: भोजन में दालों की मात्रा 5 से 10% तक सीमित रखें। आसानी से पचने योग्य प्रोटीन सामग्री के कारण हरे चने, चने या बीन्स को प्राथमिकता दें।

अनाज: भोजन में चावल, गेहूं या ज्वार को 25 से 30% तक सीमित रखें। उच्च पोटेशियम स्तर के कारण रागी और मामूली बाजरा (सिरिधान्य) से बचें।

मछली: अंग पुनर्जनन में सहायता के लिए जड़ी-बूटियों के साथ पकी हुई मछली (भोजन का 15 से 20%) का सेवन करें।

चिकन: पके हुए चिकन को भोजन में 5% से अधिक न डालें।

मशरूम: अंग पुनर्जनन में सहायता के लिए जड़ी-बूटियों के साथ पके हुए मशरूम (भोजन का 15 से 20%) का सेवन करें।

स्पाइस ड्रिंक: यह ड्रिंक एलर्जी, बुखार, सर्दी और खांसी में मदद कर सकता है।